Date - 06/06/20
Class - III

पाठ - बोध :-

1. 'प्रभु ने रचा एक इन्सान' के सही अर्थ पर (✓) चिन्ह लगाओ।

☐ प्रभु ने आरंभ में एक ही इन्सान की रचना की थी।

☑ प्रभु के रचे हम सभी मानव एक समान है

2. हम प्रभु से क्या वरदान माँगते हैं?

उत्तर :- हम प्रभु से यह वरदान माँगते है कि हे भगवान! हमें यह ज्ञान दें कि हम किसी से भेद-भाव न करें, किसी का असम्मान न करें और हमारे अंदर जो अज्ञान है कि हम ऊँची जाति या नीची जाति के हैं यह आप दूर करिये और हमें ज्ञान दें कि हम सभी को एक दृष्टि से देखें; तथा प्रेम पूर्वक साथ रहें।

Scanned by CamScanner

Class - III

MARCH 25 MONDAY

५ चैत्र कृष्ण सोमवार २०७५
पंचमी रा १२/१९
Hizri - 17 Rajab 1440
२५ मार्च २०१९
Sunrise - 5.41 A.M.

১০ চৈত্র সোমবার ১৪২৫
পঞ্চমী রা ১২/১৯
Saka - 4 Chaitra 1941
অহম - ১০ চ'ত ১৪২৫
Sunset - 5.44 P.M.

"हो हम सबको यह वरदान" (कविता)

Date - 04/06/20.
Sub - Hindi Reader.
Class - III

Q1. शब्दार्थ :-

i) आदि - आरंभ
ii) वरदान - मनचाही वस्तु का दान
iii) रचा - बनाया
iv) संतान - बाल - बच्चे, पुत्र - पुत्रियाँ

(भाषा और व्याकरण)

Q2. विलोम शब्द :-

i) एक - अनेक
ii) ऊँचा - नीचा
iii) नर - नारी
iv) अज्ञान - ज्ञान
v) असमान - समान
vi) अंत - आदि

Q3. इन शब्दों को शुद्ध रूप में लिखो :-

i) ग्यान - ज्ञान
ii) सक्ति - शक्ति
iii) इस्वर - ईश्वर
iv) बंस - वंश
v) परभू - प्रभु
vi) बरदाण - वरदान

Scanned by CamScanner

Inside

प्रश्न :- दिए गए पंक्तियों के खाली स्थान भरो :-

मानव - मानव एक समान,
एक पिता की सब संतान।
जाति -वंश सब एक समान,
नर और नारी एक समान।

भेद मिटे, छूटे अज्ञान,
तो हम सबको यह वरदान।

Scanned by CamScanner

आदि शक्ति ईश्वर हैं एक,
केवल उनके नाम अनेक।
प्रभु ने रचा एक इन्सान,
फिर क्यों ऊँच-नीच असमान?

समझें सत्य, मिले वह ज्ञान,
दो हम सबको यह वरदान।

मानव-मानव एक समान,
एक पिता की सब संतान।
जाति-वंश सब एक समान,
नर और नारी एक समान।

भेद मिटे, छूटे अज्ञान,
दो हम सबको यह वरदान।

Complete 04/06/20

Scanned by CamScanner

Class - III
Subject - Hindi Reader
Date - 06/06/20

H.W

कविता

दो हम सबको यह वरदान

Q1. कविता "दो हम सबको यह वरदान" के आठ (8) पंक्तियाँ कॉपी में लिखो।

Q2. वाक्य बनाओ :-

(i) प्रभु -

(ii) नारी -

(iii) वरदान -

(iv) ज्ञान -

Scanned by CamScanner